



खंड-5, अंक-01

जनवरी-2024

## संपादकीय

संरक्षक :

डॉ. पी. एस. पाण्डेय  
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन :

डॉ. राकेश मणि शर्मा  
डॉ. शंकर झा  
डॉ. सत्य प्रकाश  
डॉ. मोहित शर्मा  
डॉ. आशीष कुमार पंडा  
डॉ. सुधा नंदनी  
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोग :

मनीष कुमार

मुद्रण :

प्रकाशन प्रभाग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय  
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क :

www.rpcau.ac.in  
publicationdivision@rpcau.ac.in

रा.प्र.के.कृ.वि.वि., पूसा

## कुलपति महोदय का सन्देश



प्रिय पाठकों,

आप सभी को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!!

मुझे जनवरी 2024 माह के लिए विश्वविद्यालय ई-न्यूजलेटर प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। पिछला महीना कई महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय घटनाओं से परिपूर्ण रहा, जो हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता और अटूट समर्पण को रेखांकित करता है।

कृषि शिक्षा के क्षेत्र में पूसा एक समृद्ध ऐतिहासिक महत्व रखता है। प्रचलित काव्यांश "कृषिः प्रथिमं वर्ण्यते, यस्य कार्ये स्वयं धनी। सा विद्या यत्र सर्वेभ्योऽपि सुखदा स्यात्तु सुखप्रदा॥" के अनुसार कृषि,

समाज के समृद्धि और खुशहाली के स्रोत के रूप में और उससे जुड़े ज्ञान के महत्व पर आधारित है। भारत के प्रथम राष्ट्रपति, एक प्रख्यात विद्वान और एक दूरदर्शी नेता देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जिन्होंने भारतीय कृषि के प्रगति हेतु अथक प्रयास किये, के योगदान को चिन्हित करते हुए, हमारे विश्वविद्यालय ने विकास और समृद्धि का एक और वर्ष दिनांक ३ दिसंबर को अपना स्थापना दिवस के रूप में बड़ी भव्यता और उत्साह के साथ मनाया। हमारा विश्वविद्यालय उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में खड़ा है, कृषि में नवाचार और टिकाऊ प्रणालियों को निरंतर बढ़ावा दे रहा है। राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय से रा.प्र.के.कृ.वि., की स्थापना तक हमारी यह यात्रा, उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और कृषक बंधुओं के हित ज्ञान को विकसित करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है।

यह अक्सर कहा जाता है कि 'अर्थशास्त्र कृषि का केंद्र है' क्योंकि यह छात्रों को सतत विकास के वास्तुकार और संसाधन संपन्न राष्ट्रों के वर्तमान परिदृश्य कृषि को समझने का वातावरण तैयार करता है। अर्थशास्त्र के इसी महत्व को समझते हुए विश्वविद्यालय में, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ (ईआईआरए) का 31वां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका विषय "सतत खाद्य प्रणालियों और किसानों की आय हेतु कृषि में नवाचार" रहा। सम्मलेन का उद्घाटन विश्व स्तर के प्रशंसित वैज्ञानिकों, डॉ. प्रभु पिंगले, डॉ. अशोक दलवाई, डॉ. ए.एन. शर्मा, और भारतीय शिक्षा जगत और सरकारी संगठन के कई गणमान्य व्यक्तियों की सम्मानित उपस्थिति में किया गया। साथ ही "व्यापक आर्थिक प्रभाव आकलन के लिए इनपुट आउटपुट विश्लेषण और सामाजिक लेखांकन मैट्रिक्स (एसएएम) मल्टीप्लायर मॉडलिंग की अनिवार्यता" पर प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला शुरू की गई जो कृषि और अन्य क्षेत्रों के बीच आर्थिक संबंधों और निर्भरता का मूल्यांकन करने में सहायक होगी, तथा समग्र अर्थव्यवस्था में उद्योग का योगदान को समग्र दृष्टिकोण प्रदान करेगी। आईएफपीआरआई और रा.प्र.के.कृ.वि. की यह सहयोगात्मक पहल आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन में ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रचलित कहावत "शिक्षायां संस्कृतिरूपां च परंपरा सम्मिलन्ते।" अनुवर्तिता सुविद्या, नवज्ञानादपि प्रगल्भते॥" के अनुसार "शिक्षा, परंपरा में वाद्य-वृंद का माधुर्य और नवाचार सामंजस्य स्थापित कर एक कालातीत उत्कृष्ट कृति बनाता है जो शिक्षण विधियों के विकास के माध्यम से प्रतिध्वनित होता है।

पारंपरिक शिक्षण विधियों और नवीन शिक्षण दृष्टिकोणों के बीच सहजीवी संबंध को अपनाते हुए, भा.कृ.अ.प.-भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान के सहयोग से हमारे विश्वविद्यालय द्वारा " इम्ब्रेसिंग द सिंबॉलिक रिलेशनशिप बिटवीन ट्रेडिशनल टीचिंग मेथड एंड इनोवेटिव लर्निंग अप्रोचेज " विषय पर एक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की, जो विश्वविद्यालय के भीतर नवोन्मेषी शिक्षा के विकास पर उत्तम प्रभाव डालने का कार्य करेगा।

इसके अलावा, हमारे विश्वविद्यालय ने उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक "विकसित भारत लैब- ऑगमेंटेड रियलिटी/वर्चुअल रियलिटी (एआर/वीआर) लैब" की स्थापना की है। इस प्रयोगशाला का उद्घाटन बिहार के माननीय मुख्यमंत्री के कृषि सलाहकार माननीय डॉ. मंगला राय जी ने किया। उन्होंने वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ संवाद की एवं विश्वविद्यालय का भ्रमण भी किया।

ज्ञान के पथ पर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जहां हर छात्र की यात्रा उसके उद्देश्य और संभावनाओं के साथ शुरू होती है। विश्वविद्यालय में नए प्रवेशित छात्रों को तैयार करने के लिए नई शिक्षा नीति के आलोक में दीक्षारम्भ की अनूठी पहल का यह हमारा दूसरा प्रयास है। यह कार्यक्रम बौद्धिक कौशल और स्वस्थ शरीर दोनों से सुसज्जित समग्र विकास को पोषित करने के लिए एक समग्र शैक्षणिक अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि छात्र न केवल उत्कृष्ट शैक्षणिक साख वाले पेशेवर बने बल्कि ऐसे नागरिक बल के रूप में विकसित हो जिनका नैतिकबल ऊँचा हो।

जय हिन्द।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)





Volume-5, Issue-01

January-2024

#### EDITORIAL BOARD

**Chief Patron:**

**Dr. P. S. Pandey**  
Vice-Chancellor

**Compiled & Edited by:**

Dr. R.M. Sharma  
Dr. Shankar Jha  
Dr. Satya Prakash  
Dr. Mohit Sharma  
Dr. A.K. Panda  
Dr. S. Nandini  
G. Trivedi

**Tech. Assistance :**

Manish Kumar

**Published by:**  
**Publication Division**  
RPCAU, Pusa.

**Contact:**  
www.rpcau.ac.in

## Vice-Chancellor's Message

**Dear Readers,**  
**Happy New Year to all of you!!**

I am delighted to present the university e-newsletter for the month of January 2024. Last month was marked by several significant and noteworthy events, underscoring our steadfast commitment and unwavering dedication.

Situated in the birth place of Indian agriculture, we have had the privilege of providing diverse agricultural services since 1794. Pusa holds a rich historical significance in the realm of agricultural education. As per the popular saying, "कृषिः प्रथिमं वर्ण्यते, यस्य कार्यं स्वयं धनी। सा विद्या यत्र सर्वेभ्योऽपि सुखदा स्यात् सुखप्रदा॥" which emphasizes the importance of agriculture and the

knowledge associated with it as a source of prosperity and happiness for society. Knowing the significance of agricultural education and contribution of Deshratna Dr. Rajendra Prasad, the first President of India, an eminent scholar and a visionary leader who ploughed the fields of progress in agriculture, sowing seeds of riches for a flourishing nation, our esteemed University marks another year of growth and prosperity and celebrated its foundation day on 3rd December with great grandeur and enthusiasm. Our university stands as a beacon of excellence, fostering innovation and sustainable practices in agriculture, contributing significantly to the growth and development of the agricultural sector in India. The journey from Pusa to the establishment of RPCAU reflects a commitment to excellence and a dedication to advancing agricultural knowledge for the benefit of the nation.

It is often said 'Economics is the heartbeat of agriculture' as it shapes students into architects of sustainable development and nations into thriving landscapes of abundance, acknowledging the importance, 31st Annual Conference of the Agricultural Economics Research Association (AERA) on "Innovations in Agriculture for Sustainable Food Systems and Farmers' Income" was inaugurated in our University in the esteemed presence of globally acclaimed scientists, Dr. Prabhu Pingle, Dr. Ashok Dalwai, Dr. A.N. Sharma, and numerous dignitaries from Indian academia and government organization. The Pre-conference workshop on "Essentials of Input Output Analysis & Social Accounting Matrix (SAM) Multiplier Modeling for Comprehensive Economic Impact Assessment" commenced which will be instrumental for evaluating the economic linkages and dependencies between agriculture and other sectors, providing a holistic view of the industry's contribution to the overall economy. This collaborative initiative by IFPRI and RPCAU is a significant event for fostering knowledge in economic impact assessment.

As per the popular saying "शिक्षायां संस्कृतिरूपां च परंपरा सम्मिलन्ते। अनुवर्तिता सुविद्या, नवज्ञानादपि प्रगल्भते॥" which can also be stated as "In the symphony of education, tradition sets the melody, and innovation orchestrates the harmony, creating a timeless masterpiece that resonates through the evolution of teaching methods." Embracing the symbiotic relationship between traditional teaching methods and innovative learning approaches, a two-day workshop on "Blended Learning Platform - Where Tradition Meets Innovation in Learning" was conducted by ICAR-IASRI in collaboration with our university which promises to have a lasting impact on the evolution of innovative pedagogy within the university.

Besides, our university has established a "Viksit Bharat Lab- Augment Reality/Virtual Reality (AR/VR) Lab" for high-end technology-based education and research. This lab was inaugurated by Dr. Mangala Rai, Agriculture Advisor to the Hon'ble Chief Minister, Bihar who visited the university and had interaction with scientists, faculties and students.

Embarking on the journey of knowledge, a fresh chapter unfolds with 'Deeksharambh': Creating Futures, Igniting Minds – Where Every Student's Journey Begins with Purpose and Possibilities. This is our 2nd batch of the unique initiative taken under the light of New Education Policy for grooming new entrants in the University system. The Program stands as a testament to our commitment to provide a holistic educational experience to nurture well-rounded individuals equipped with both intellectual prowess and a healthy physique, in order to fulfill the mission of developing not only professionals with excellent academic credentials but also individuals with a strong ethical compass.

**Jai Hind!**

(Dr. P. S. Pandey)



## शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➤ **माननीय कुलाधिपति डॉ. पी. एल. गौतम, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, समस्तीपुर का विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों का दौरा** माननीय कुलाधिपति ने रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में अपने दो सप्ताह के प्रवास के दौरान विश्वविद्यालय के महाविद्यालयों का दौरा किया, जहां उन्होंने इकाइयों की विभिन्न सुविधाओं का अवलोकन किया और संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के साथ विभिन्न विषयों पर बहुपयोगी चर्चा की।



➤ **छात्रों का एक्सपोजर विजिट/अनुभवात्मक शिक्षण** सातवें सेमेस्टर के (स्नातक मत्स्यकी) के छात्रों (बैच 2020-2024) को 1-15 दिसंबर 2023 के दौरान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज पोस्ट-ग्राजुएट टेक्नोलॉजी एंड ट्रेनिंग, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में छात्र रेडी कार्यक्रम के तहत इन-प्लान्ट प्रशिक्षण दिया गया एवं छात्रों को एसआईएफटी में हैड्स-ऑन प्रशिक्षण में भाग लिया। 16 से 22 दिसंबर 2023 तक स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी), काकीनाडा, आंध्र प्रदेश और उसके बाद 23 दिसंबर, 2023 से 2 जनवरी, 2024 तक भा.कृ.अनु.प.-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश में ऑन-फार्म प्रशिक्षण/अटैचमेंट में भी छात्रों ने भाग लिया।



➤ **दिनांक 05.12.2023 को मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के पांचवें सेमेस्टर (बैच 2021-25) के छात्रों का भा.कृ.वि.अनु.प.-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान केंद्र (मोतीपुर) और जशोली एग्रो एंड फिश फार्म, मोतीपुर में फार्म मछली प्रजनन, स्पॉनिंग आदि का व्यावहारिक अवलोकन करने के लिए एक्सपोजर-सह-दूर विजिट आयोजित किया गया।**



➤ **स्नातक (कृषि) के सातवें सेमेस्टर के छात्रों को रावे कार्यक्रम के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने और कृषि विकास पहल की दिशा में संस्थागत गतिविधियों को समझने के लिए दिनांक 5 और 13 दिसंबर, 2023 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में छोटे बाजरा क्षेत्र में बीसा और गन्ना अनुसंधान संस्थान, पूसा और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना का दौरा किया।**



➤ **अधिष्ठाता, कृषि प्रायोगिकी महाविद्यालय, की देखरेख में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में विकसित भारत @ 2047: वॉयस ऑफ यूथ प्लेटफॉर्म पर एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, संकाय सदस्यों और छात्रों ने भी भाग लिया।**



➤ **यूनिवर्सिटी फाउंडेशन कोर्स "द्वितीय दीक्षारंभ (2023-24)" का उद्घाटन** डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने पिछले वर्ष नव प्रवेशित स्नातक छात्रों के लिए एक अभिनव कार्यक्रम "दीक्षारंभ" की परिकल्पना की है। दीक्षारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 29.12.2023 को माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति संदीप कुमार, माननीय न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय की उपस्थिति में किया गया। एक महीने तक चलने वाला यह कार्यक्रम छात्रों को समग्र विकास के लिए तैयार करने के उद्देश्य के साथ योग, कौशल, व्यक्तित्व विकास, कला और शिल्प, संगीत, साहित्यिक गतिविधियाँ, नाटक और रंगमंच और खेल आदि जैसी कई गतिविधियों से परिचित कराया गया। इस कार्यक्रम के पीछे का दृष्टिकोण छात्रों को भविष्य की अप्रत्याशित चुनौतियों से निपटने और विकसित भारत के लिए एक रक्षक बनने के लिए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के संयोजक और कुलसचिव ने स्वागत भाषण दिया, तथा सह-संयोजक डॉ. बी. सत्यथी ने कार्यक्रम के लक्ष्यों और उद्देश्यों के बारे में सदन को जानकारी दी।



## अनुसंधान गतिविधियाँ

➤ **रिवर रेंचिंग प्रोग्राम प्रोजेक्ट** (एनएफडीबी, हैदराबाद द्वारा वित्त पोषित) के तहत, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने 6 दिसंबर, 2023 को गोरई घाट, पूसा, समस्तीपुर में बूढ़ी गंडक नदी में रेंचिंग के लिए भारतीय मेजर कार्पस (रोहू, कतला और मृगल) की 1,00,000 अंगुलिकाओं को छोड़ा। इस अवसर पर डॉ. एन. विजया लक्ष्मी, प्रधान सचिव, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, माननीय कुलाधिपति, रा.प्र.के.कृ.वि., डॉ. पी. एल. गौतम, माननीय कुलपति, डॉ. पी. एस. पांडे, कुलसचिव, डॉ. मृत्युंजय कुमार, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, डॉ. पी.पी.श्रीवास्तव और मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।





## EDUCATION & EDUCATIONAL ACTIVITIES

### ➤ On Visit of Hon'ble Chancellor Dr. P. L. Gautam, RPCAU, Pusa, Samastipur to the constituent colleges of the university

Hon'ble Chancellor visited the constituent colleges of the University in his two weeklong stays at RPCAU, Pusa where he observed various facilities of the units and had a very fruitful discussion with the faculty, staff and students.



➤ **Exposure visit/Experiential Learning of the students** of VII semester B.F. Sc. students (Batch 2020-2024) was attached in In-plant training under student READY programme at National Institute of Fisheries Post-Harvest Technology and Training, Visakhapatnam, Andhra Pradesh during 1st -15th December 2023 and participated in Hands-on training at SIFT (State Institute of Fisheries Technology), Kakinada, Andhra Pradesh from 16th to 22nd December 2023 and subsequently participated in On-farm training/ attachment at ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Kakinada, Andhra Pradesh from 23th December, 2023 to 2nd January, 2024



➤ **Exposure-cum-Tour visit of Vth Semester** (batch 2021-25) students of CoF, Dholiwas organized to ICAR-CIFE centre (Motipur) and Jasholi Agro & Fish Farm, Motipur to take practical observation on-farm fish breeding, spawning etc. on 05.12.2023



➤ **The 7th Semester students of B. Sc. (agriculture)** from TCA Dholi under RAWF programme visited BISA & SRI, Pusa and AICRP on Small Millet field at TCA, Dholi on 5th and 13th December, 2023 to interact with the Scientists and understand the institutional activities towards agricultural development initiatives.



➤ **A sensitization campaign on Viksit Bharat @ 2047:** Voice of Youth Platform was organized at different colleges of the university in the supervision of Dean CAET wherein colleges Dean, faculty members and students were also participated.



➤ **Inauguration of University Foundation Course " 2nd Deeksharambh (2023-24)"** Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University has conceptualized an innovative Programme "Deeksharambh" last year for newly admitted undergraduate students. The programme Deeksharambh was inaugurated on 29.12.2023 under the Chairmanship of Hon'ble Vice Chancellor Dr P.S. Pandey in presence of chief guest Justice Sandeep Kumar, Hon'ble Judge, Patna High Court. This one-month-long programme will orient the students with several activities like Yoga, Skill, Personality Development, Arts and Crafts, Music, Literary Activities, Drama & Theatre and sports etc. with the ultimate aim of grooming them for holistic development. The vision behind this programme is to empower the students to combat future unforeseen challenges and being a saviour for Developed Bharat. Registrar and Convener of the programme delivered the welcome address whereas Dr B. Satpathy, Co-Convener briefed the House about the aims and Objectives of the programme.



## RESEARCH ACTIVITIES

➤ **Under the River Ranching Programme Project** (funded by NFDB, Hyderabad), College of Fisheries, Dholi released 1,00,000 fingerlings of Indian Major Carps (Rohu, Catla & Mrigal) for ranching in river Burhi Gandak at Gorai Ghat, Pusa, Samastipur on 6th December, 2023. Dr. N. Vijaya Lakshmi, Principal Secretary, Department of Animal and Fisheries Resource Department, Hon'ble Chancellor, RPCAU, Dr. P. L. Gautam, Hon'ble Vice-chancellor, Dr. P. S. Panday, Registrar, Dr. Mritunjay Kumar, Dean, CoF, Dr. P.P.Srivastava and faculties of CoF, Dholi were present on this occasion.





➤ **कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ (आईआरए) का 31वां वार्षिक सम्मेलन 7-9 दिसंबर 2023 के दौरान रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में आयोजित।**

"सतत खाद्य प्रणालियों और किसानों की आय के लिए कृषि में नवाचार" विषय पर कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान संघ (आईआरए) के 31वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. पी.एस.पांडे, माननीय कुलपति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. प्रभु पिगली, सम्मेलन अध्यक्ष और निदेशक, कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, यूएसए में टाटा-कॉर्नेल संस्थान, डॉ. अंजनी कुमार, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई), डॉ. के.एम. सिंह, आयोजन सचिव एवं अधिष्ठाता, स्नातोकोत्तर कृषि महाविद्यालय, डॉ. डी.के. सिन्हा, प्राध्यापक एवं प्रमुख, कृषि अर्थशास्त्र विभाग और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया। देश के 19 राज्यों से 150 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। सम्मेलन में, बिहार सरकार द्वारा प्रायोजित जलवायु अनुकूल कृषि और अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) द्वारा बिहार में कृषि परिवर्तन पर 12 सत्र, 112 शोध पत्र और दो विशेष सत्र थे। सम्मेलन में डॉ. जी.के. चट्टा मेमोरियल व्याख्यान, मानव विकास संस्थान के निदेशक डॉ. अलख एन शर्मा द्वारा दिया गया और दो प्रतिष्ठित व्याख्यान - एक डॉ. विजय पॉल शर्मा, अध्यक्ष, सीएसपीपी, एमओए एंड एफडब्ल्यू, नई दिल्ली द्वारा और दूसरा डॉ. स्मिता सिरोही, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प. और पूर्व संयुक्त सचिव, जी-20, नई दिल्ली द्वारा दिया गया।



उभरते अर्थशास्त्रियों ने किसानों को कम कीमत मिलने और भारत, विशेषकर बिहार में कृषि में सार्वजनिक निवेश की कमी के मुद्दे पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य में खाद्यान्न खरीद के प्रबंधन में अक्षमताओं और बाधाओं को उजागर किया है। यह निष्कर्ष निकाला गया कि शोधकर्ताओं को कृषक समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए उपरोक्त मुद्दों के समाधान के लिए काम करना चाहिए।

➤ **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली की बायोप्लॉक इकाई में ओमपाक पाव्डा (पाव्डा) और पीएनजी (पंगासियोनोडोन एसपी) का प्रदर्शन किया गया।**



➤ **दिनांक 12.12.2023 को महिलाओं के लिए अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत न्यूट्री स्मार्ट विलेज कार्यक्रम के तहत हरपुर गांव में तीस महिला किसानों के बीच सब्जियों के पौधों का वितरण किया गया।**



➤ **पायलट पैमाने पर परीक्षण के तहत** दिनांक 01-08-2023 को चावल-सह-मछली संस्कृति क्षेत्र में माननीय कुलपति द्वारा छोड़े गए कॉमन कार्प (साइप्रिनस कार्पियो) के भंडारित फिंगरलिंग (2 ग्राम से कम) की कटाई की गई। 137 दिन बाद 16 दिसंबर 2024 को फार्म फ्रीड के साथ मछलियों का औसत वजन और लंबाई 18.45 - 19.0 सेमी और 138.3 - 141.80 ग्राम थी, जबकि मछलियों का बिना खेत के चारे के औसत वजन और लंबाई 12.55 - 13.8 सेमी और 43.40 - 58.20 ग्राम थी।



➤ **राष्ट्रीय किसान सह मशरूम दिवस समारोह** किसानों और मशरूम उत्पादकों की कड़ी मेहनत को पहचानने और सम्मान देने के लिए, विद्यापति सभागार में विश्वविद्यालय के एडवांस सेंटर ऑफ मशरूम रिसर्च द्वारा राष्ट्रीय किसान सह मशरूम दिवस मनाया गया। जहां बिहार के विभिन्न जिलों से 110 मशरूम किसानों ने भाग लिया और अपने मशरूम उत्पादों और कार्यों को प्रदर्शनियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। इस अवसर पर तुर्की, मुजफ्फरपुर के प्रगतिशील किसान श्री नृपेंद्र शाही ने मशरूम आधारित किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से आजीविका सुधार पर अपने विचार साझा किए।



➤ **डॉ. आशीष पांडा, सहायक प्राध्यापक (बागवानी) ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना -केला के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में केले प्रजनन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण में भाग लिया।**

अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना - राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु दिनांक में 28 और 29 दिसंबर 2023 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एफ) द्वारा संयुक्त रूप से "केला प्रजनन तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण" आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश भर के केला प्रजनकों ने भाग लिया और अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एफ) केंद्रों सहित "केला प्रजनन नेटवर्क कार्यक्रम" का औपचारिक रूप से उद्घाटन राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. आर सेल्वराजन द्वारा किया गया। केले के प्रजनन में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रशिक्षण



➤ **31st Annual Conference of Agricultural Economics Research Association (AERA) held during 7th -9th December 2023 at RPCAU, Pusa**

31st Annual Conference of Agricultural Economics Research Association (AERA) on "Innovations in Agriculture for Sustainable Food Systems and Farmers' Income" was inaugurated by Dr. P.S. Pandey, Hon'ble Vice-Chancellor in the gracious presence of Dr. Prabhu Pingali, Conference President & Director, Tata-Cornell Institute at Cornell University, New York, USA, Dr. Anjani Kumar, Senior Research Fellow, International Food Policy Research Institute (IFPRI), Dr. K.M. Singh, Organizing Secretary & Dean, PGCA, Dr. D.K. Sinha, Professor & Head, Department of Agricultural Economics and other dignitaries. More than 150 participants from 19 states of the country participated. In the Conference, there were 12 sessions, 112 research papers, and two special sessions on climate resilient agriculture, sponsored by the government of Bihar and Agriculture Transformation in Bihar by the International Food Policy Research Institute (IFPRI). The Conference witnessed Dr. G.K. Chadha Memorial Lecture, which was delivered by Dr. Alakh N Sharma, Director, Institute for Human Development & two distinguished lectures – one by Dr. Vijay Paul Sharma, Chairman, CACP, MoA&FW, New Delhi and another by Dr. Smita Sirohi, Principal Scientist, ICAR and Former Joint Secretary, G-20, New Delhi



The eminent economists highlighted the issue of lower price realisation by the farmers and the lack of public investment in agriculture in India, especially in Bihar. They have highlighted the inefficiencies and hurdles in the management of the procurement of food grains in the state. It was concluded that the researchers should work to address the above issues to benefit the farming community.

➤ **Demonstration of Ompak Pabda (Pabda) and PNGs (Pangasionodon sp.) in Biofloc unit of CoF, Dholi**



➤ **Distribution of vegetables seedlings were distributed among thirty women farmers in Harpur village under Nutri Smart Village Programme, under AICRP for women on.12.12.2023.**



➤ **On a Pilot scale trial the stocked fingerlings (Less than 2 g) of common carp (Cyprinus carpio) released by the Hon'ble Vice Chancellor in Rice-cum-Fish culture field at the rice trial field on 01/08/2023 were harvested on 16th December, 2024 after 137 days. The average weight and length of fishes were 18.45 – 19.0 cm and 138.3 – 141.80 g, with farm feed whereas the average weight and length of fishes were 12.55 – 13.8 cm and 43.40 – 58.20 g. without farm feed.**



➤ **National farmer's cum Mushroom Day celebration** To recognise and honour the hard work of farmers and mushroom growers, National Farmer's cum Mushroom Day was celebrated by the Advance Centre of Mushroom Research in the University at Vidyapati Sabhagar. Where 110 Mushroom farmers from the different districts of Bihar participated and showcased their mushroom products and works through exhibitions. On this occasion progressive farmer Sri Nripendra Shahi from Turki, Muzaffarpur shared his views on livelihood improvement through mushroom-based Farmer Producer Organizations (FPOs).



➤ **Dr. Asish Panda, Assistant Professor (Horticulture) participated in the Hands-on Training on Banana Breeding Techniques at ICAR-NRC for Banana, Tiruchirappalli, Tamil Nadu**

The "Hands-on Training on Banana Breeding Techniques" training was conducted jointly by ICAR-National Research Centre for Banana and ICAR- AICRP (F) during 28th and 29th of December 2023, at ICAR-NRCB, Tiruchirappalli. The banana breeders across the country were participated and formally the "Banana Breeding Network Program" including the AICRP (F) centres was inaugurated by Dr. R Selvarajan, Director, NRCB. The theoretical and practical knowledge in banana breeding was the focus of the training programme.



कार्यक्रम का फोकस था। केले के प्रजनन के विभिन्न पहलुओं पर सभी प्रतिभागियों के लिए यह प्रशिक्षण ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम शुरू करने के लिए विभिन्न प्रजनन लाइनें प्रतिभागियों के बीच साझा की गईं। बैठक से प्राप्त जानकारी एवं सुझाव रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में केले पर भविष्य के अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं।



## प्रसार गतिविधियाँ

➤ दिनांक 5 दिसंबर, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की द्वारा विश्व मृदा दिवस सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में माननीय कुलाधिपति डॉ. पी.एल. गौतम मुख्य अतिथि, ने प्राकृतिक खेती के तरीकों पर जोर दिया। कार्यक्रम में 59 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।



➤ सोनपुर मेले में प्रदर्शनियाँ और स्टॉल माननीय कृषि मंत्री बिहार सरकार, श्री कुमार सर्वजीत; सारण जिले के विधायक; कृषि निदेशक डॉ. ए.के. घोष ने कृषि विभाग के राज्य स्तरीय अधिकारियों के साथ 4 दिसंबर 2023 को सोनपुर मेले में रा.प्र.के.कृ.वि. के कृषि प्रदर्शनी स्टाल का भ्रमण किया।



➤ दिनांक 5 से 7 दिसंबर, 2023 तक कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर में एस.सी.एस.पी. कार्यक्रम के तहत "बकरी और सुअर पालन" पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को शिक्षित करना था, जिसमें एससी/एसटी समुदायों की 26 महिलाएं और 8 पुरुष शामिल थे। बकरियों और सूअरों के पालन के वैज्ञानिक तरीके विषय पर कुल 32 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।

➤ टिकाऊ आजीविका के लिए मधुमक्खी पालन में अपने कौशल को बढ़ाने की दिशा में 25 बेरोजगार ग्रामीण युवाओं के लिए दिनांक 18 से 24 दिसंबर, 2023 तक वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर एक व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।



➤ मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने दिनांक 15.12.2023 और 22.12.2023 को बिहार के जहानाबाद और जमुई जिलों के 30 मछली पालक किसानों की एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-एक्सपोजर यात्रा का आयोजन किया।



➤ दिनांक 23 दिसंबर, 2023 को सकरा ब्लॉक के पैगम्बरपुर पंचायत में किसान दिवस सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 103 किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड और सरकारी योजनाओं तथा कीटनाशक छिड़काव के लिए ड्रोन के उपयोग का प्रदर्शन के बारे में शिक्षित किया गया।



➤ कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर द्वारा 26 से 30 दिसंबर, 2023 तक "बागवानी फसलों में नर्सरी प्रबंधन" पर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बागवानी फसलों के लिए नर्सरी बढ़ाने की तकनीकों और प्रबंधन प्रथाओं पर जोर दिया गया था और इसमें 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

➤ एक महीने तक चलने वाले सोनपुर मेले में माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने दिनांक 25 दिसंबर 2023 को रा.प्र.के.कृ.वि. कृषि प्रदर्शनी स्टाल का भ्रमण किया। उन्होंने प्रदर्शनी स्टाल की प्रशंसा की और स्टॉल में विश्वविद्यालय के विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों के बारे में जानकारी शामिल करने का निर्देश दिया।





The training was an eye-opener for all the participants on various aspects of banana breeding. Various breeding lines for initiating the programmes were shared among the participants. The inputs received from the meeting are crucial for the futuristic research on banana at RPCUA, Pusa.



## EXTENSION ACTIVITIES

➤ **World Soil Day cum awareness program was organized by Krishi Vigyan Kendra, Turki** on December 5, 2023, with Hon'ble Chancellor Dr. P.L. Gautam as Chief Guest, focusing on natural farming methods. 59 progressive farmers participated in the event.



➤ **Exhibitions and Stalls in Sonepur Mela** Hon'ble Agriculture Minister Shri Kumar Sarvejit, Government of Bihar; MLAs of Saran district; Director, Agriculture Dr. A.K. Ghosh along with state-level officials of agriculture department visited RPCAU Agricultural Exhibition Stall at Sonepur Fair on 4th December 2023.



➤ **A training session on "Goat and Pig farming"** was organized under the SCSP program at Krishi Vigyan Kendra, Sheohar from 5 to 7 December, 2023. The training aimed to educate participants, including 26 females and 8 males from SC/ST communities, on scientific farming methods for goats and pigs. A total of 32 participants attended.

➤ **A Vocational Training on Scientific Beekeeping** was organized from December 18 to 24, 2023 for 25 unemployed rural youths, towards enhancing their skills in beekeeping for sustainable livelihoods.



➤ **College of Fisheries, organized One-Day Training-cum-Exposure visit** of 30 Fish Farmers from Jehanabad and Jamui districts of Bihar on 15.12.2023 and 22.12.2023.



➤ **Kisan Diwas cum Awareness Program** was conducted on December 23, 2023, at Pagmbarpur Panchayat, Sakra block, educating 103 farmers on soil health cards and government schemes, including a demonstration on drone usage for insecticide spraying.



Training session on "Nursery management in horticulture crops" was organized by KVK Sheohar from December 26th to 30th, 2023. This program, was emphasized nursery-raising techniques and management practices for horticulture crops and attended by 22 participants.

➤ **In the month long Sonpur fair The Hon'ble Vice Chancellor, RPCAU, Pusa, Dr. P.S Pandey, visited** RPCAU Agricultural Exhibition Stall on 25th December 2023. He admired the exhibition stall and directed to incorporate the information about various degree programmes of the university in the stalls.





## खेल, पुरस्कार और अन्य गतिविधियाँ

➤ **संसाधन व्यक्ति के रूप में संकाय सदस्य** डॉ. गीतांजलि चौधरी, सह प्राध्यापक, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा ने दिनांक 27 से 29 दिसंबर, 2023 को "फोर्टिफाइड राइस कर्नेल मैनुफैक्चरिंग एंड ब्लेंडिंग" पर इनोवेशन हब ऑन राइस फोर्टिफिकेशन, कृषि एवं खाद्य अभियांत्रिकी, आईआईटी, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण में भाग लिया।



➤ **सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा** से डॉ. उषा सिंह, डॉ. गीतांजलि चौधरी और डॉ. नीलम कुमारी ने दिनांक 15 और 16 नवंबर, 2023 को वनवासी सेवा केन्द्र, अधौरा, कैमूर, बिहार में "बाजरा प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।



➤ **सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में कैंसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।** माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 5 दिसंबर 2023 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष में बिहार में कैंसर प्रबंधन-वर्तमान परिप्रेक्ष्य और भविष्य की दिशा पर डॉ. ईशा सिन्हा स्मारक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, छात्रों, कर्मचारियों और मीडिया कर्मियों सहित 170 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पद्मश्री डॉ. जे.के. सिंह, चेयरमैन कैंसर केयर इंडिया सह निदेशक एस.एस. हॉस्पिटल एंड रिसर्च, पटना ने कैंसर प्रबंधन पर स्मारक व्याख्यान दिया। उन्होंने कैंसर के बेहतर प्रबंधन और रोकथाम के लिए सामुदायिक जांच के महत्व पर जोर दिया।



➤ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के तीन छात्रों ने कैट 2023 परीक्षा उत्तीर्ण की। श्री पट्टाथिल सुबिन, श्री आदित्य राज आनंद और श्री स्वागतो पेन ने क्रमशः 96.96, 96.91 और 92.93 प्रतिशत अंक हासिल किए।



श्री पट्टाथिल सुबिन



श्री आदित्य राज आनंद



श्री स्वागतो पेन

➤ **दिनांक 31 दिसंबर-2023 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त हुए। निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया था।**

1. **श्री बीरेंद्र सिंह**  
वरिष्ठ तकनीकी सहायक, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
2. **श्री राम सागर साह**  
वरिष्ठ तकनीकी सहायक, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
3. **श्री राम जनक सिंह**  
सहायक, (कृषि विज्ञान), स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय
4. **श्री गणेश गिरि**  
उच्च श्रेणी लिपिक, स्थापना अनुभाग
5. **श्रीमती. कमली देवी**  
अवर श्रेणी लिपिक, मवेशी फार्म, पूसा
6. **श्री हरिश्चंद्र राम**  
कुशल सहायक कर्मचारी, प्रसार शिक्षा निदेशालय
7. **श्री मिश्री लाल महतो**  
कुशल सहायक कर्मचारी, मवेशी फार्म पूसा





## AWARD, SPORTS & OTHERS ACTIVITIES

➤ **Faculty as Resource Person** Dr. Gitanjali Chaudhary, Associate Prof., College of Community Science, Pusa participated in three days hands-on-training on "Fortified Rice Kernel Manufacturing and blending" on 27 th to 29 th December,2023 at Innovation Hub on Rice Fortification, Agricultural and Food Engineering, IIT, Kharagpur, West Bengal.



➤ **Dr. Usha Singh, Dr. Gitanjali Chaudhary and Dr. Neelam Kumari from the College of Community Science, Pusa** participated as a Resource Person in training programme on "Millet Processing and Value Addition" on 15 th and 16 th November, 2023 at Vanvasi Seva Kendra, Adhaura, Kaimur, Bihar.



➤ **Awareness program organized at College of Community Science on cancer** Dr. Eesha Sinha memorial lecture on Cancer Management in Bihar-Present perspective and future direction was organized in the lecture hall of college of community science on 5th December 2023 in the gracious presence of Hon'ble Vice chancellor Dr. P.S Pandey. More than 170 participants including faculty members, students, staff and media personnel participated in the event. Padma Shree Dr. J.K Singh, chairman cancer care India cum Director S.S hospital and Research, Patna delivered memorial lecture on cancer management. He stressed on the importance of community screening for better management and prevention of cancer.



➤ **Three students of TCA, Dholi cracked CAT 2023 Examination.**

Mr. Pattathil Subin, Mr. Aditya Raj Anand and Mr. Swagato Pain secured 96.96, 96.91 and 92.93 percentile, respectively.



Mr. Pattathil Subin Mr. Aditya Raj Anand Mr. Swagato Pain

➤ **A farewell ceremony of the following university employees who superannuated from University Service on 31st December-2023 was organized in the gracious presence of Hon'ble Vice-Chancellor, RPCAU, Pusa.**

1. **Shri Birendra Singh**  
Senior Technical Assistant, TCA, Dholi
2. **Shri Ram Sagar Sah**  
Senior Technical Assistant, TCA, Dholi
3. **Shri Ram Janak Singh**  
Assistant, (Agronomy), PGCA
4. **Shri Ganesh Giri**  
UDC, Establishment Section
5. **Smt. Kamli Devi**  
LDC, Cattle Farm, Pusa
6. **Shri Harischandra Ram**  
SSS, DoEE
7. **Shri Mishri Lal Mahto**  
SSS, Cattle Farm Pusa

